दैनिक यशोभूमि
नया सवेरा, नया कलेवर
मुंबई । रविवार, 23 नवंबर 2025

मुंबई में दो दिवसीय ग्लोबल इकोनॉमिक समिट संपन्न

यशोभूमि/प्रतिनिधि

मुंबई। मुंबई ग्लोबल ट्रेड वॉचडॉग्स और इकोनॉमिक कम्युनिटी का फोकस बन गया। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर मुंबई और ऑल-इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज ने 21 और 22 नवंबर को 10वें ग्लोबल इकोनॉमिक समिट और एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय व्यापार और रणनीतिक अर्थव्यवस्था मौकों को बढ़ावा देने के लिए मंत्री, नीतिनिर्धारक, कूटनीतिज्ञ, प्रतिनिधिमंडल और उद्योग जगत के बड़े लोग एक साथ एक प्लेटफॉर्म पर आए। इस दौरान महाराष्ट्र सरकार की पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन और पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे ने 10वें ग्लोबल इकोनॉमिक समिट और डब्ल्यूटीसीए एशिया पैसिफिक कॉन्फ्रेंस में कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने महाराष्ट्र के आर्थिक विकास और 2027 तक एक ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी हासिल करने के लिए पॉलिसी बनाने में कई पहल की हैं। हमारे मुख्यमंत्री का विजन अर्थव्यवस्था, रोजगार और निर्यात के विकास से जुड़े सभी हितधारकों के साथ जुड़ना है। उन्होंने महाराष्ट्र के सस्टेनेबल ग्रोथ की ओर ले जाने वाले बेहतर पर्यावरण के लिए सस्टेनेबिलिटी, रिन्यूएबल और क्लीन एनर्जी के संबंध में पॉलिसी प्रायोरिटी तय करने में राज्य सरकार की कई कोशिशों को गिनाया। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने भी यही बात कही।

35 देशों के 500 प्रतिनिधि हुए शामिल

युवा टैलेंट को कौशल देकर मिलेगी आत्मनिर्भरता

महाराष्ट्र सरकार के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि हम अपने युवा टैलेंट को कौशल देकर और उन्हें कार्यबल के साथ जोड़कर ही आत्मनिर्भरता हासिल कर सकते हैं, जिससे आर्थिक उत्पादकता बढ़ेगी। हमें नई टेक्नोलॉजी अपनाकर और नए तरीकों से अपनी प्रोडक्शन लाइन को अपग्रेड करके इंटरनेशनल ट्रेड और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए खुद को समर्पित करने की ज़रूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि महाराष्ट्र सरकार बेहतर माहौल बनाने और विदेशी निवेशकों के लिए रेड कार्पेट बिछाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।